प्रेषक ,

मिशन निदेशक,
उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन
गोमती नगर, लखनऊ

सेवा में,

Dr. Zakari Adam
चीफ - फील्ड ऑफिस, यूनीसेफ
उ0 प्र0, बी-3/258, विशाल खंड
गोमती नगर, लखनऊ

पत्रांक: 5127 / 3894 /वादा सखी/2022-23 लखनऊ: दिनांक: 01 दिसम्बर , 2022

बिषय: ग्राम्य विकास विभाग, उत्तर प्रदेश शासन एवं यूनीसेफ के मध्य ऍम0ओ0यू0 पायलट परियोजना के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अवगत कराना है की ग्राम्य विकास बिभाग और यूनीसेफ के मध्य ऍम0ओ0यू0 दिनांक 17.02.2022 के सदर्भ में प्रदेश के 37 जनपदों के 7,228 ग्राम पंचायतो में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों तक शासन के अलग-अलग विभागों द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ डी0बी0टी0 के माध्यम से पहुंचाने का महत्वाकांक्षी प्रस्ताव हैं। इस के दृष्टिगत, यूनिसेफ़ द्वारा एक विशेष पायलट परियोजना के संचालन में सहायता दी जा रही है। पायलट परियोजना के तहत चुने गये ग्राम पंचायतों में एक-एक समूह सखी का चयन होना प्रस्तावित था। जिसके क्रम में अबतक 7,228 ग्राम पंचायतों में से 6,108 ग्राम पंचायतों में समूह सखी अभ्यर्थी का ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमे से 5,448 समूह सखी चयनित हुए हैं।

पायलट प्रोजेक्ट के टाइमलाइन अंतर्गत ज़मीनी स्तर पर प्रूफ ऑफ़ कॉन्सेप्ट सृजन करने की दृष्टि से जनपद श्रावस्ती के 5 ग्राम पंचायत में विशेष कैंपेन प्रारंभ किया गया है ताकि टेक्नोलॉजी आर्किटेक्चर की संपूर्णता तथा लाभार्थी तक डीबीटी प्राप्ति की उपलब्धि की स्थिति प्राप्त किया जा सके। आप अवगत हैं, श्रावस्ती के 5 ग्राम पंचायत में स्थित समूहों के साथ MGNREGA योजना के लाभ आहरण के विशेष कार्य योजना पर अपेक्षित गति से कार्य प्रगति में हैं। आगामी कुछ दिनों में वादा समूह सखी तथा समूह सदस्यों के लिए डिजिटल माध्यम से प्रशिक्षण का प्रारूप भी संचालित होना प्रस्तावित है।

उक्त के क्रम में, यूनिसेफ़ प्रोग्राम मैनेजर, डॉ अमित मेहरोत्रा के साथ दिनांक नवंबर 29, 2022 को हुई वार्ता के अनुसार अभी भी ऍम0वो0यू0 के अपेक्षा के अनुरूप प्रगति नहीं हुई है। ये भी संज्ञान लिया गया है कि ऍम0वो0यू0 की समय सीमा 31 दिसम्बर 2022 तक ही है। सभी अन्य जनपदों में कार्य के प्रगति के दृष्टिगत परियोजना के प्रक्रिया को जारी रखना आवश्यक है। ये भी विचारणीय है कि वित्तीय वर्ष के अंतिम तीन महीने में डीबीटी लाभ का भुगतान तथा आहरण की विशेष संभावना बनती है। ऐसी स्थिति में, पायलट परियोजना के कार्यान्वयन के प्रक्रिया को ना सिर्फ़ बढ़ाया जाना सही प्रतीत होता है, बल्कि डिजिटल सेट अप बन जाने से कार्य में जो गति प्राप्त हुई है, उसे भी जारी रखा जाना उचित होगा।

कृपया उपरोक्त के दृष्टिगत ऍम0ओ0यू0 को 31 मई 2023 तक विस्तार किये जाने विचार करे जिससे कि आपके सहयोग से मिशन के उद्देश्यों को पूरा किया जा सके। यूनिसेफ़ द्वारा संबद्ध एजेंसी को भी इस आशय से नो-कॉस्ट एक्सटेंशन देते हुए सूचित किया जाये ताकि टेक्नोलॉजी प्लेटफार्म का निरंतरता एवं मिशन द्वारा डिजिटल सेवाओं का उपयोग जारी रखा जा सके।

भवदीय

1/12/22

(सी0 इंदुमती)
मिशन निदेशक,
उ0 प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन

पत्रांक संख्या - / / वादा सखी /2022-23, लखनऊ: तद दिनांक-

प्रतिलिपि- निम्नलिखित को सूचनार्थ और आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित –

1. डॉ0 अमित मेहरोत्रा, प्रोग्राम मैनेजर, यूनिसेफ़
2. सुश्री पियूष एंटनी, सोशल पॉलिसी स्पेशलिस्ट, यूनिसेफ़

मिशन निदेशक,
उ0 प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन

प्रेषक ,

मिशन निदेशक,
उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन
गोमती नगर, लखनऊ

सेवा में,

Dr. Zakari Adam
चीफ - फील्ड ऑफिस, यूनीसेफ
उ0 प्र0, बी-3/258, विशाल खंड
गोमती नगर, लखनऊ

पत्रांक: / /वादा सखी/2022-23 लखनऊ: दिनांक: 01 दिसम्बर , 2022

बिषय: ग्राम्य विकास विभाग, उत्तर प्रदेश शासन एवं यूनीसेफ के मध्य ऍम0ओ0यू0 पायलट परियोजना के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अवगत कराना है की ग्राम्य विकास विभाग और यूनीसेफ के मध्य ऍम0ओ0यू0 दिनांक 17.02.2022 के सदर्भ में प्रदेश के 37 जनपदों के 7,228 ग्राम पंचायतो में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों तक शासन के अलग-अलग विभागों द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ डी0बी0टी0 के माध्यम से पहुंचाने का महत्वाकांक्षी प्रस्ताव हैं। इस के दृष्टिगत, यूनिसेफ़ द्वारा एक विशेष पायलट परियोजना के संचालन में सहायता दी जा रही है। पायलट परियोजना के तहत चुने गये ग्राम पंचायतों में एक-एक समूह सखी का चयन होना प्रस्तावित था। जिसके क्रम में अबतक 7,228 ग्राम पंचायतों में से 6,108 ग्राम पंचायतों में समूह सखी अभ्यर्थी का ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमे से 5,448 समूह सखी चयनित हुए हैं।

पायलट प्रोजेक्ट के टाइमलाइन अंतर्गत ज़मीनी स्तर पर प्रूफ ऑफ़ कॉन्सेप्ट सृजन करने की दृष्टि से जनपद श्रावस्ती के 5 ग्राम पंचायत में विशेष कैंपेन प्रारंभ किया गया है ताकि टेक्नोलॉजी आर्किटेक्चर की संपूर्णता तथा लाभार्थी तक डीबीटी प्राप्ति की उपलब्धि की स्थिति प्राप्त किया जा सके। आप अवगत हैं, श्रावस्ती के 5 ग्राम पंचायत में स्थित समूहों के साथ MGNREGA योजना के लाभ आहरण के विशेष कार्य योजना पर अपेक्षित गति से कार्य प्रगति में हैं। आगामी कुछ दिनों में वादा समूह सखी तथा समूह सदस्यों के लिए डिजिटल माध्यम से प्रशिक्षण का प्रारूप भी संचालित होना प्रस्तावित है।

उक्त के क्रम में, यूनिसेफ़ प्रोग्राम मैनेजर, डॉ अमित मेहरोत्रा के साथ दिनांक नवंबर 29, 2022 को हुई वार्ता के अनुसार अभी भी ऍम0वो0यू0 के अपेक्षा के अनुरूप प्रगति नहीं हुई है। ये भी संज्ञान लिया गया है कि ऍम0वो0यू0 की समय सीमा 31 दिसम्बर 2022 तक ही है। सभी अन्य जनपदों में कार्य के प्रगति के दृष्टिगत परियोजना के प्रक्रिया को जारी रखना आवश्यक है। ये भी विचारणीय है कि वित्तीय वर्ष के अंतिम तीन महीने में डीबीटी लाभ का भुगतान तथा आहरण की विशेष संभावना बनती है। ऐसी स्थिति में, पायलट परियोजना के कार्यान्वयन के प्रक्रिया को ना सिर्फ़ बढ़ाया जाना सही प्रतीत होता है, बल्कि डिजिटल सेट अप बन जाने से कार्य में जो गति प्राप्त हुई है, उसे भी जारी रखा जाना उचित होगा।

कृपया उपरोक्त के दृष्टिगत ऍम0ओ0यू0 को 31 मई 2023 तक विस्तार किये जाने विचार करे जिससे कि आपके सहयोग से मिशन के उद्देश्यों को पूरा किया जा सके। यूनिसेफ़ द्वारा संबद्ध एजेंसी को भी इस आशय से नो-कॉस्ट एक्सटेंशन देते हुए सूचित किया जाये ताकि टेक्नोलॉजी प्लेटफार्म का निरंतरता एवं मिशन द्वारा डिजिटल सेवाओं का उपयोग जारी रखा जा सके।

भवदीय

(सी0 इंदुमती)
मिशन निदेशक,
उ0 प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन

पत्रांक संख्या - 5127 / 3894 / वादा सखी /2022-23, लखनऊ: तद दिनांक-

प्रतिलिपि- निम्नलिखित को सूचनार्थ और आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित –

1. डॉ0 अमित मेहरोत्रा, प्रोग्राम मैनेजर, यूनिसेफ़
2. सुश्री पियूष एंटनी, सोशल पॉलिसी स्पेशलिस्ट, यूनिसेफ़

मिशन निदेशक,
उ0 प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन

प्रेषक,

मिशन निदेशक,
उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन
गोमती नगर, लखनऊ

सेवा में,

Dr. Zakari Adam
चीफ - फील्ड ऑफिस, यूनीसेफ
उ0 प्र0, बी-3/258, विशाल खंड
गोमती नगर, लखनऊ

पत्रांक: 5127 /3894 /वादा सखी/2022-23 लखनऊ: दिनांक: 01 दिसम्बर , 2022

बिषय: ग्राम्य विकास विभाग, उत्तर प्रदेश शासन एवं यूनीसेफ के मध्य ऍम0ओ0यू0 पायलट परियोजना के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अवगत कराना है की ग्राम्य विकास विभाग और यूनीसेफ के मध्य ऍम0ओ0यू0 दिनांक 17.02.2022 के सदर्भ में प्रदेश के 37 जनपदों के 7,228 ग्राम पंचायतो में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों तक शासन के अलग-अलग विभागों द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ डी0बी0टी0 के माध्यम से पहुंचाने का महत्वाकांक्षी प्रस्ताव हैं। इस के दृष्टिगत, यूनिसेफ़ द्वारा एक विशेष पायलट परियोजना के संचालन में सहायता दी जा रही है। पायलट परियोजना के तहत चुने गये ग्राम पंचायतों में एक-एक समूह सखी का चयन होना प्रस्तावित था। जिसके क्रम में अबतक 7,228 ग्राम पंचायतों में से 6,108 ग्राम पंचायतों में समूह सखी अभ्यर्थी का ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमे से 5,448 समूह सखी चयनित हुए हैं।

पायलट प्रोजेक्ट के टाइमलाइन अंतर्गत ज़मीनी स्तर पर प्रूफ ऑफ़ कॉन्सेप्ट सृजन करने की दृष्टि से जनपद श्रावस्ती के 5 ग्राम पंचायत में विशेष कैंपेन प्रारंभ किया गया है ताकि टेक्नोलॉजी आर्किटेक्चर की संपूर्णता तथा लाभार्थी तक डीबीटी प्राप्ति की उपलब्धि की स्थिति प्राप्त किया जा सके। आप अवगत हैं, श्रावस्ती के 5 ग्राम पंचायत में स्थित समूहों के साथ MGNREGA योजना के लाभ आहरण के विशेष कार्य योजना पर अपेक्षित गति से कार्य प्रगति में हैं। आगामी कुछ दिनों में वादा समूह सखी तथा समूह सदस्यों के लिए डिजिटल माध्यम से प्रशिक्षण का प्रारूप भी संचालित होना प्रस्तावित है।

उक्त के क्रम में, यूनिसेफ़ प्रोग्राम मैनेजर, डॉ अमित मेहरोत्रा के साथ दिनांक नवंबर 29, 2022 को हुई वार्ता के अनुसार अभी भी ऍम0वो0यू0 के अपेक्षा के अनुरूप प्रगति नहीं हुई है। ये भी संज्ञान लिया गया है कि ऍम0वो0यू0 की समय सीमा 31 दिसम्बर 2022 तक ही है। सभी अन्य जनपदों में कार्य के प्रगति के दृष्टिगत परियोजना के प्रक्रिया को जारी रखना आवश्यक है। ये भी विचारणीय है कि वित्तीय वर्ष के अंतिम तीन महीने में डीबीटी लाभ का भुगतान तथा आहरण की विशेष संभावना बनती है। ऐसी स्थिति में, पायलट परियोजना के कार्यान्वयन के प्रक्रिया को ना सिर्फ़ बढ़ाया जाना सही प्रतीत होता है, बल्कि डिजिटल सेट अप बन जाने से कार्य में जो गति प्राप्त हुई है, उसे भी जारी रखा जाना उचित होगा।

कृपया उपरोक्त के दृष्टिगत ऍम0ओ0यू0 को 31 मई 2023 तक विस्तार किये जाने विचार करे जिससे कि आपके सहयोग से मिशन के उद्देश्यों को पूरा किया जा सके। यूनिसेफ़ द्वारा संबद्ध एजेंसी को भी इस आशय से नो-कॉस्ट एक्सटेंशन देते हुए सूचित किया जाये ताकि टेक्नोलॉजी प्लेटफार्म का निरंतरता एवं मिशन द्वारा डिजिटल सेवाओं का उपयोग जारी रखा जा सके।

भवदीय

01/12/22

(सी0 इंदुमती)
मिशन निदेशक,
उ0 प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन

पत्रांक संख्या - 5127 / 3894 / वादा सखी /2022-23, लखनऊ: तद दिनांक-

प्रतिलिपि- निम्नलिखित को सूचनार्थ और आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित –

1. डॉ0 अमित मेहरोत्रा, प्रोग्राम मैनेजर, यूनिसेफ़
2. सुश्री पियूष एंटनी, सोशल पॉलिसी स्पेशलिस्ट, यूनिसेफ़

01/12/22

मिशन निदेशक,
उ0 प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन